Vol II Issue VI Dec 2012

Impact Factor : 0.1870

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 6, Dec. 2012
ISSN:-2231-5063
Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

GRT

सामाजिक एवं व्यवसायिक सम्बन्धों में मोबाइल उपयोग से संतुष्टि

मेहर सिंह

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

सारांश :

वर्तमान समय में मोबाइल फोन व्यक्ति की पहचान बन चुका है। हम मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुके है पिछले कुछ वर्षो में मोबाइल फोन की विकास दर द्रीव से तीव्रतम् हो गई है। समाज के प्रत्येक वर्ग ने मोबाइल फोन की अहमियत को पहचाना है व्यक्ति अपने सामाजिक सम्बन्धों के निर्माण, बनाये रखने एवं सुधारने में मोबाइल का उपयोग कर रहा है हमारे व्यवसायिक सम्बन्ध भी मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुके है इस शोध पेपर में सामाजिक एवं व्यवसायिक सम्बन्धों में मोबाइल फोन की संतुष्टि के स्तर का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना :

भूमिकाः–

भारत मोबाइल मार्किट में विश्व में सबसे तेज उभरता हुआ देश बन चुका है। मोबाइल फोन ने वास्तव में विश्व को एक गाँव की संज्ञा दे दी है यह व्यक्ति के लिए एक जरुरी डिवाइस बन चुका है ऐसे में हमारे सामाजिक एवं व्यावसायिक सम्बन्ध मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुके है। विकसित देशों में मोबाइल फोन उपयोग एवं संतुष्टि पर कई शोध कार्य हो चुके है लेकिन भारत जैसे कई विकासशील देशों में अभी मोबाइल फोन पर शोध कार्य कम हुए है। भारत में मोबाइल फोन संचार एवं मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है और यह समाज का महत्वपूर्ण अंग बन चुका है।

सामाजिक सम्बन्धः–

सामाजिक सम्बन्ध से तात्पर्य व्यक्तियों की उन पारस्परिक क्रियाओं से है, जो अर्थपूर्ण रूप से या किसी विशेष उद्धेश्य को पूरा करने के लिए स्थापित की जाती है जैसे–यदि कोई व्यक्ति अपनी सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति के साथ कोई अर्थपूर्ण क्रिया कर रहा है तब ऐसी क्रिया के परिणामस्वरूप स्थापित होने वाले सम्बंध को हम सामाजिक सम्बन्ध कहते हैं। सामाजिक सम्बन्धों का निर्माण सामाजिक अन्तःक्रिया से होता है। व्यक्ति अपने सम्बन्धों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग कर रहा है और वह मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुका है।

व्यवसायिक सम्बन्धः–

प्रत्येक व्यवसाय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता संचार है। एक व्यवसायी कई प्रकार से संचार की प्रक्रिया में भाग लेता है जिससे व्यावसायिक संबध स्थापित किये जा सके। व्यवसायिक सम्बन्ध स्थापित करने के लिए व्यवसायी मीडिया के कई साधनों का उपयोग करता है। जैसे समाचार पत्र–पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन, कम्पयूटर इंटरनेट टेलीफोन एवम मोबाइल फोन इत्यादि । व्यवसायिक सम्बन्धों में व्यवसायी मोबाइल का उपयोग निरंतर कर रहा है हमारे व्यवसायिक सम्बन्धों में मोबाइल फोन महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

मोबाइल फोनः–

मोबाइल फोन अर्न्तव्याक्तिक संचार का बेहतर साधन बन कर उभरा है द्वितिय विश्व युद्ध के दौरान संदेशों को बिना तार एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के प्रयास तेज हो गये थे। आखिरकार 5अक्तूबर 1951 को रेडियों प्रणाली में अमेरिका के पेटेंट कार्यालय द्वारा मार्टिन कूपर को हाथ से उपयोग होने वाले मोबाइल फोन का अविष्कारक घोषित किया गया है। 1960 के दशक में मोबाइल फोन की शून्य पीढ़ी की शुरूआत हुई। सन् 1979 में एन. टी. टी. द्वारा जापान के टोक्यो शहर में पहला वाणिज्यक सेलूलर नेटवर्क और पहली जनरेशन की शुरूआत की गई। सन् 1990 में दूसरी जनरेशन मोबाइल फोन की शुरूआत जी. एस. एम. तकनीक द्वारा की गई। पहला एस. एम. एस. 3 दिसम्बर 1992 को यू. के. में भेजा गया। मोबाइल फोन पर इंटरनेट की पूर्ण रूप से सर्विस एनटीटी डोकोमो के द्वारा सन् 1999 में जापान में शुरु की गई ।

भारत में मोबाइल फोन की शुरूआत अगस्त 1995 में हुई। विकसित देशों की तुलना में भारत में मोबाइल फोन की शुरूआत देरी से हुई लेकिन सन् 2002 के बाद मोबाइल विकास दर में इतनी तजी आई कि वर्तमान में यह चीन के बाद विश्व का दूसरा सबसे बडा सब्सकराबर देश बन चुका है।

Title: *सामाजिक एवं व्यवसायिक सम्बन्धों में मोबाइल उपयोग से संतुष्टि* **Source:Golden Research Thoughts [2231-5063]** *मेहर सिंह* **yr:2012 vol:2 iss:6**

साहित्य समीक्षा

1. जुडिथ मरीकॉल और कारला मेरिसा बोनिंग की स्टडी, मोबाइल कम्यूनिकेशन इन मैक्सिकोः पॉपुलर एंड पॉपुलर डाईमेन्शन का उद्देश्य मैक्सिकों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग का प्रभाव जानना है। सन् 1990 तक मैक्सिको में केवल 64,000 सब्सकराइबर मैक्सिको में थे सन् 2005 में उनकी संख्या बढ़कर 44 मीलियन हो गई । लगभग 90 प्रतिशत विद्यार्थी मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं 15 से 34 वर्ष के युवा मोबाइल को स्टेट्स सिम्बल मानते हैं 49 प्रतिशत महिलाओं और 26 प्रतिशत पुरूषों ने माना कि वे मोबाइल के बिना नहीं रह सकते।
2. शहीरा साहुल हमीद की स्टडी द इफैक्ट ऑफ मोबाइल टेलीफोनी ऑन सिंगापुरियन सोसाइटी के अनुसार मोबाइल के आगमन के समय इसे ऐशोआराम, स्टेट्स सिंबल के रूप में देखा जाता था लेकिन आजकल यह वहां के लोगों के लिए अति आवश्यक वस्तु बन चुका है। इस शोध का उद्धेश्य सिंगापुर के बच्चों, युवाओं और धर्म–संस्कृति पर मोबाइल का प्रभाव जानना है। शोध के अनुसार सिंगापुर के बच्चों में एस. एम. एस बहुत लोकप्रिय है बच्चे क्लास के दौरान भी मैसेज करते रहते हैं। सन् 2001 में एक मुस्लिम व्यक्ति ने मोबाइल पर अपनी पत्नी को तीन बार यह संदेश लिखकर भेजा ''मैं तुम्हें तलाक देता हूँ'' मुस्लिम धर्म गुरूओं ने इसे वैध ठहराया ।
3. मोहम्मद इब्राहिम की स्टडी, मोबाइल कम्यूनिकेशन एण्ड सोश्योलोजिकल चेंज इन द अरब वर्ल्ड का उद्धेश्य यह जानना कि अरब देशों में मोबाइल फोन के आगमन से पारम्परिक संचार के तौर–तरीकों में क्या बदलाव आया है और पोलिटिकल संचार में मोबाइल का कैसे उपयोग हो रहा है शोध के अनुसार अरब देशों में लगभग 90 प्रतिशत युवा बातचीत की बजाय मैसेज करना पसंद करते हैं। सन् 2005 में विश्वविद्यालय में किये गये सर्वे के अनुसार 96 प्रतिशत विद्यार्थी मोबाइल फोन कैमरा को प्राइवेसी के लिए खतरा मानते हैं। शोध के अनुसार अरब देशों में मोबाइल फोन ने पारम्परिक व सामाजिक बन्धनों से मुक्त होकर निजी और सार्वजनिक स्थलों के अन्तर को समाप्त कर दिया है।

शोध उधेश्य

1. सामाजिक सम्बन्धों में मोबाइल यूजर मोबाइल का उपयोग किस उधेश्य के लिए कर रहे है।
2. सामाजिक सम्बन्धों पर मोबाइल का प्रभाव जानना।
3. मोबाइल उपयोग से व्यक्ति को कितनी संतुष्टि प्राप्त होती है।
4. व्यावसायिक सम्बन्धों में मोबाइल फोन का क्या उपयोग हो रहा है।
5. मोबाइल फोन का व्यावसाय पर प्रभाव जानना।
6. व्यावसाय में मोबाइल उपयोग से संतुष्टि का पता लगाना।

शोध विधिः–

शोध कार्य के लिए सर्वेक्षण पद्वति का चुनाव किया गया है इस शोध कार्य के लिए शहरी एवं ग्रामीण दोनों मोबाइल यूजर को शामिल किया गया है हरियाणा प्रॉंत के कुरुक्षेत्र जिले में प्रश्नावली के माध्यम से डाटा इक्ट्ठा किया है सामाजिक सम्बन्धों में मोबाइल फोन की भूमिका के अध्ययन के लिए 200 ग्रामीण एवं 200 शहरी क्षेत्र के मोबाइल यूजर को अध्ययन में शामिल किया गया है व्यावसायिक सम्बन्धों के लिए 200 बिजनेसमैन को सर्वे में शामिल किया गया है हमने मोबाइल यूजर के पास जाकर आमने–सामने बैठकर प्रश्नावली के द्वारा तथ्य एकत्रित किये है मोबाइल यूजर से सामाजिक एवं व्यवसायिक सम्बन्धों में मोबाइल फोन उपयोग से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त की गई हैं।

अनुसंधान कार्यः–

मोबाइल फोन व्यक्ति के जीवन के लिए उपयोगी साधन बन चुका है हमारे सामाजिक सम्बन्ध मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुके है 79.5प्रतिशत मोबाइल यूजर का कहना है कि वे मोबाइल फोन के द्वारा अपने पुराने दोस्तों/सम्बन्धियों के साथ सम्बन्धों को कायम रखते है 74प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार सामाजिक सम्बन्धों के निर्माण में मोबाइल फोन की भूमिका है 29प्रतिशत मोबाइल यूजर मोबाइल उपयोग से पूर्णतः संतुष्ट और 62प्रतिशत संतुष्ट है केवल 1.25प्रतिशत मोबाइल यूजर मोबाइल उपयोग से अंसतुष्ट है

मोबाइल फोन उपयोग से संतुष्टि

मोबाइल फोन से संतुष्टि	**प्रतिशत**
पूर्णतः संतुष्ट	29.00
संतुष्ट	62.00
आंशिक संतुष्ट	05.50
असंतुष्ट	01.25
क्ह नहीं सकते	02.25
कुल योग	100.00

मोबाइल फोन उपयोग से संतुष्टि

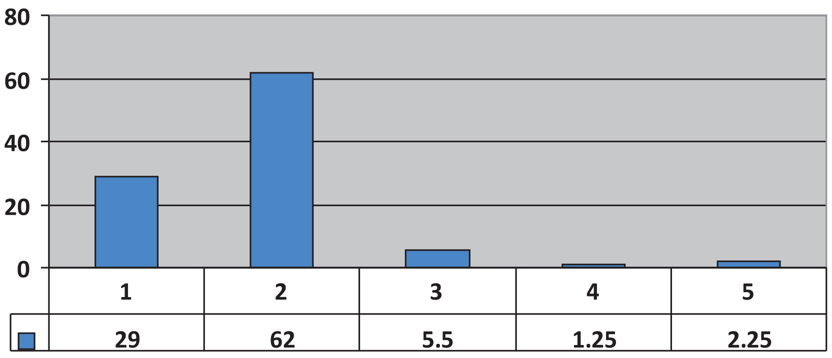

बिजनेस में मोबाइल फोन की उपयोगिता बहुत बढ़ चुकी है 40प्रतिशत व्यवसायी मोबाइल फोन उपयोग से पूर्णतः संतुष्ट और 52प्रतिशत संतुष्ट है। औसतन 60प्रतिशत व्यवसायियों का कहना है मोबाइल उपयोग से व्यवसाय में बढ़ोतरी हुई है।

निष्कर्षः—

इस शोध पेपर में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि मोबाइल फोन व्यक्ति के जीवन के लिए उपयोगी साधन बन चुका है व्यक्ति अपने सम्बन्धों के निमार्ण, बनाये रखने एवं बेहतर बनाने में मोबाइल का उपयोग कर रहा है। हमारे सामाजिक एवं व्यवसायिक सम्बन्ध मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुके है अधिकत्तर मोबाइल यूजर का कहना है कि वे सामाजिक एवं व्यावसायिक सम्बन्धों में मोबाइल फोन उपयोग से संतुष्ट है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अरविन्द सिंघल एण्ड इवर्ट एम रोजर, इंडियाज़ टेलीकम्यूनिकेशन रिवोल्यूशन, सेज़ पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2010.
2. जेम्स ई केट्ज़, हैंडबूक ऑफ मोबाईल कम्यूनिकेशन स्टडीज़, द मिट प्रैस लंदन, 2008.
3. मोहन सुंदन राजन, दूरसंचार कथा, नैशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, 2011.
4. अशोक वी देसाई, इंडियाज टेलीकम्यूनिकेशन इंडस्टरी, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2006.
5. जे. पी सिंह, समाज शास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत, प्रेटिस हाल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली, 1999.
6. रोजर डी विमर, जोसेफ आर डोमनिक, मास मिडिया रिसर्च, वेडसवर्थ, 2006.
7. अशोक के तालुकदर, रूपा आर यवगल, मोबाईल कम्पयूटिंग, टाटा मैकग्राहिल एजुकेशन प्राइवेट लिमिटड, नई दिल्ली, 2009.
8. जेम्स ई केटस, मैजिक इन द ऐयर

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net